ओम शान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-3 मई-I, 2016 पाक्षिक माउण्ट आबू 8.00

मूल्य आधारित पाठ्यक्रम में बढ़ा युवाओं का रुझान- दादी

सभा में दिखाई दे रहे हैं मूल्य आधारित शिक्षा में डिग्री प्राप्त भाई बहनें तथा मंच पर पाठ्यक्रम का विमोचन करते हुए ब्र.कु. शीलू, ब्र.कु. हंसा, राजयोगिनी दादी जानकी व ब्र.कु. मृत्युंजय।

शांतिवन। मूल्यनिष्ठ समाज का निर्माण मूल्य शिक्षा के द्वारा ही किया जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों से मूल्य आधारित पाठ्यक्रमों में युवाओं का रुझान तेज़ी से बढ़ रहा है। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने संस्था के शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा प्रणाली में मूल्यों को लागू करने से ही युवाओं को मूल्यों के लिए प्रेरित किया जा सकता है। क्योंकि बिना मूल्यों के मनुष्य का जीवन अधूरा है। यशवन्तराव चौहान खुला विश्व विद्यालय के निदेशक डॉ. उमेश राजबब्बर ने कहा कि इतिहास में शायद पहली बार ऐसा हुआ जब चार विभिन्न विश्वविद्यालयों के गणमान्य व्यक्ति एक दीक्षांत समारोह में एक ही मंच पर मंचासीन हैं। शिक्षा प्रभाग के निदेशक ब्र.कु. मृत्युंजय ने सम्बोधित करते हुए कहा कि ज्ञान, कर्त्तव्य, व्यक्तित्व निर्माण तथा सामाजिक सामंजस्य शिक्षा के चार आधार स्तंभ हैं। लगभग 400 शिक्षार्थियों को इस समारोह में डिग्री तथा मैडल से सम्मानित किया गया।

व्यापार जगत बढ़ेगा प्यार से

ओ.आर.सी.-गुड़गांव। ब्रह्माकुमारीज़ में उद्योग एवं व्यापार जगत के लिए दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

इसमें प्रथम दिन उद्घाटन

● व्यापार जगत में नैतिक मूल्यों के समावेश से आ सकती है पारदर्शिता। आध्यात्मिकता से ही मिल सकती है समाज को नई दिशा। - डॉ. अशोक तंवर,अध्यक्ष,हरियाणा प्रदेश कांग्रेस पार्टी।

● व्यापार जगत में नैतिकता और ईमानदारी से हम सच्ची सफलता हासिल कर सकते हैं। - आर.एन. लखोटिया, संस्थापक,इन्वेस्टर क्लब।

● आज व्यापार के क्षेत्र का वैश्वीकरण होने के कारण चुनौतियाँ बढ़ती जा रही हैं जिसके कारण तनाव बढ़ता जा रहा है। राजयोग द्वारा ही तनाव से मुक्ति मिल सकती है। - ब्र.कु. गीता,माउण्ट आबू।

● आज हम धन तो कमाते हैं लेकिन असली धन तो दैवी गुणों को धारण करने में है, जिसमें विशेष रूप से नम्रता, धैर्यता, शांति और सहयोग मुख्य हैं। - ब्र.कु. बृजमोहन,मुख्य सचिव, ब्रह्माकुमारीज़।

● ब्रह्माकुमारीज़ में जीवन को नया आयाम मिलता है। यहाँ पर दी जाने वाली शिक्षा हमें मूल पुरातन दैवी संस्कृति से जोड़ती है। - ब्र.कु. आशा, निदेशिका, ओ.आर.सी.।

- असली महत्व दूसरों के लिए जीने में - जीवन में जमा करें दुवाएं ना कि दवाएं
- सम्मेलन में लगभग 800 से 1000 लोगों ने लिया भाग
- आध्यात्मिकता से व्यापार को नयी दिशा देने का किया गया प्रयास

द्वितीय सत्र

● स्वयं के लिए तो सभी जीते हैं लेकिन जीवन का असली महत्व तो दूसरों के लिए जीने में है। - माननीय राज्यमंत्री साहेब सिंह,उ.प्र. सरकार।

● जीवन में सफल होने के लिए व्यापार में भी हमें मूल्यों से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। आज धन तो बहुत लोग कमाते हैं लेकिन दुआएं बहुत कम लोग कमाते हैं। धन चाहे कितना भी हो लेकिन उससे हम खुशी नहीं खरीद सकते। खुशी हमें तभी प्राप्त होती है जब हम व्यापार के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को भी कायम रखते हैं। - ब्र.कु. शिवानी

कार्यक्रम में किया गया टॉक शो का भी आयोजन

जिसमें ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. गीता, ब्र.कु. सुरेन्द्र एवं ब्र.कु. विवेक प्रमुख रूप से मंच पर थे। इसमें लगभग 1000 से भी अधिक लोगों ने लिया भाग। दो दिन के इस कार्यक्रम में अलग-अलग कार्यशालाओं के द्वारा व्यापार जगत से जुड़ी चुनौतियों पर विचार किया गया।

व्यापारियों के लिए सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. बृजमोहन, राज्यमंत्री साहेब सिंह,उ.प्र., ब्र.कु. शिवानी तथा सभा में आये हुए व्यापार जगत से जुड़े लोग।